

مجموعه شعر

# مَجَازِی ها

www.ketab.ir

صادق الهه

|                     |   |                                |
|---------------------|---|--------------------------------|
| سرشناسه             | : | حاجی میرزایی، سید صادق، ۱۳۶۱   |
| عنوان و نام پدیدآور | : | مجازی‌ها/ صادق میرزایی         |
| مشخصات نشر          | : | تهران: انتشارات خارا، ۱۳۹۸.    |
| مشخصات ظاهری        | : | ۱۷۷ ص.                         |
| شابک                | : | ۹۷۸-۶۰۰-۹۹۶۰۵-۷-۶: ۳۸۰۰۰۰ ریال |
| وضعیت فهرست‌نویسی   | : | فیپا                           |
| موضوع               | : | شعر فارسی - قرن ۱۴             |
| شناسه افزوده        | : | الهه، صادق، ۱۳۶۱               |
| رده‌بندی کنگره      | : | ۱۳۹۸ ۳۵۲م۳/الف ۸۳۴۱ PIR        |
| رده‌بندی دیویی      | : | ۸۱/۶۲                          |
| شماره کتابشناسی ملی | : | ۵۵۸۵۹۵۸                        |

|                         |                           |
|-------------------------|---------------------------|
| عنوان کتاب:             | مجازی‌ها                  |
| مؤلف:                   | صادق الهه                 |
| فروست:                  | دفترهای شعر فارسی - ۲     |
| ناشر:                   | انتشارات خارا             |
| ویراستار و دبیر مجموعه: | میلاد جنت                 |
| طراحی جلد:              | هدیه ناظری - علی محمدی    |
| چاپ اول:                | ۱۳۹۸                      |
| شمارگان:                | ۵۰۰ نسخه                  |
| قیمت:                   | ۳۸۰۰۰ تومان               |
| تلفن مرکز بخش:          | ۰۲۱۴۴۲۲۳۱۷۹ - ۰۹۳۵۴۴۸۳۷۷۴ |
| پست الکترونیکی:         | Kharapub@yahoo.com        |



تمامی حقوق این اثر محفوظ می‌باشد. تکثیر مجدد آن به صورت کلی و جزئی و به هر صورت (چاپ، فتوکپی، صوت، تصویر و نشر الکترونیکی) بدون اجازه‌ی کتبی ناشر ممنوع می‌باشد.

## فهرست

|     |                      |
|-----|----------------------|
| ۸   | لبخند                |
| ۱۰  | مامان جون            |
| ۱۱  | علف های هرز          |
| ۱۳  | شکنجه ی ۱            |
| ۱۷  | تو ا                 |
| ۲۰  | گلناز                |
| ۲۳  | میلاد                |
| ۲۶  | چپ دستی              |
| ۲۸  | تنهایی ۱             |
| ۳۱  | فلات ایران           |
| ۳۳  | برده                 |
| ۳۶  | مارچلو بواتنتلی      |
| ۴۱  | اسماعیل              |
| ۴۴  | صیقه                 |
| ۴۶  | قدیس و بدکاره        |
| ۵۳  | چ                    |
| ۵۸  | کافه پردیس           |
| ۶۸  | جشن                  |
| ۶۹  | سفرهای استانی        |
| ۷۷  | مرخصی                |
| ۷۹  | عاشقانه              |
| ۸۰  | تنهایی ۲             |
| ۸۱  | شکنجه ی ۲            |
| ۸۳  | مرگ گهواره ای        |
| ۸۵  | دخمه                 |
| ۸۶  | تنهایی ۳             |
| ۸۷  | پسره و مامان اش      |
| ۹۱  | وقتی که سقوط می کنیم |
| ۹۳  | از دست های ما        |
| ۹۵  | زندگی                |
| ۱۰۰ | یحیی                 |
| ۱۰۳ | جایی دیگر            |
| ۱۰۵ | خودسوزی              |

|          |                           |
|----------|---------------------------|
| ۱۰۷..... | صلیب.....                 |
| ۱۰۹..... | چادر مشکى.....            |
| ۱۱۰..... | هشت شب.....               |
| ۱۱۳..... | روشنایی.....              |
| ۱۱۴..... | عشق من.....               |
| ۱۱۷..... | تدبیر و امید.....         |
| ۱۱۸..... | من ۱.....                 |
| ۱۱۹..... | تو ۲.....                 |
| ۱۲۰..... | ایمان.....                |
| ۱۲۲..... | باییز، همان خزان است..... |
| ۱۲۴..... | امید.....                 |
| ۱۲۶..... | ماه کامل.....             |
| ۱۲۷..... | نمرود.....                |
| ۱۲۹..... | جن.....                   |
| ۱۳۱..... | رامین.....                |
| ۱۳۳..... | تو ۳.....                 |
| ۱۳۵..... | لایى.....                 |
| ۱۳۷..... | من ۲.....                 |
| ۱۴۰..... | سبز.....                  |
| ۱۴۱..... | صادق الهه.....            |
| ۱۴۳..... | کرکس شمال.....            |
| ۱۴۶..... | زمانى دیگر.....           |
| ۱۵۰..... | چهارشنبه‌سورى.....        |
| ۱۵۴..... | السانه.....               |
| ۱۵۵..... | زن.....                   |
| ۱۵۶..... | بلندای اعماق.....         |
| ۱۵۷..... | شهر.....                  |
| ۱۵۹..... | سبز / نارنجى / قرمز.....  |
| ۱۶۲..... | جهنم برين ۱.....          |
| ۱۶۶..... | مَمْدُو.....              |
| ۱۶۸..... | خوجه.....                 |
| ۱۷۳..... | کلاغ.....                 |
| ۱۷۵..... | تو ۴.....                 |
| ۱۷۶..... | جهنم برين ۲.....          |